रात्रि सभा 21-7-68 ओमशान्ति शिव बाबा और वरसा याद है?

बच्चों ने अनुभव सुनाया? रिफ्रेश होकर जाते हैं यहां से। क्योंकि बाप का मुंह देखते हैं। दादा का भीमुंह देखा तो बाप का भी मुंह देखा। बच्चे जानते हैं यह बापदादा दोनो का ही शरीर है। और बच्चेयह भी जानते हैं हमको शिव बाबा ने एडाप्ट किया है। किस द्वारा किया है? (ब्रह्मा द्वारा) तो दोनो बाबाएं हो जाते हैं। बाबा ने बाबा द्वारा तुमको एडाप्ट किया है। यह ठीक है? यह जो पुकारते हैं तुम मात-पिता ·· यह किसके लिए कहते हैं। (साकार) शिव बाबाको नहींयाद करते हैं। भक्ति मार्ग में जो गाते हैं तुम मात-पिता · यह किस के लिए कहते हैं। तुम भी पुकारते थे ना। तो किसके लिएकहते थे? (तब तो जानते ही नहीं थे जो कहते थे वह रांग) क्योंकि भक्ति मार्ग में महिमा ही रांग करते हैं। बाप को जानते ही नहींहैं। बाप को ठिक्कर-भित्तर में लगा दिया है। बाकी रहा मात-पिता। बापने समझाया यह माता भी है तो पिता भी है। परन्तु माता चाहिए इस लिएसरस्वती को एडाप्ट किया है। यहदुनिया ही अनराईटियस है। सच्च बाप ही आकर सुनाते हैं। भल तुम मात-पिता ·· भगवान को ही कहते हैं परन्तु समझते नहीं हैं। अभी तुम समझते हो जब बाप ने समझाया है। बेसमझ बनने से क्या हाल हो गया है। कल बेसमझ थे। अभी बाप मिला है तो तुम कहते हो हम यह ल०ना० बनेंगे। बाप जो स्वर्ग की रचना रचते हैंडिनायस्टी राजधानीरचते हैं ना। इसके लिए ही तुम पुरुषार्थ करते हो। बाप राजयोग सिखलाते हैं। जब कि जानते हो हम आत्माओं को बापने एडाप्टकिया है तो उनको फिर भूलते क्यों हो। ऊंच ते ऊंच बाप ने अपना बनाया है जो स्वर्ग का रचयिता है फिरउनको भूलते क्यों हो। भूलने से विकर्म विनाश नहीं होते हैं। जब कहते हो हम शिव बाबा के सन्तान हैं फिर भूलते क्यों हो। योग अक्षर है सन्यासियों को। अभी तुमको जो ज्ञान मिलताहै वह भक्ति मार्ग में मिल न सके। वह है भक्ति। ज्ञान तो ज्ञान सागर हीआकर देते हैं। भगवान जब आये तब सदगति हो। वह तो समझते ही नहीं। भक्ति मार्ग में ही है मनुष्य मात्र। शास्त्र भी मनुष्यमत की है। भगवान तो एक है। व्यास को भगवान नहीं कहेंगे। हमेशा दिल में याद रखो भक्ति में ज्ञान होता ही नहीं। ज्ञान में भी फिर भक्ति की बात ही नहीं? अभी बाप द्वारा नई दुनिया में जाना है यह निश्चय हैफिर भूलते क्यों हो। भल तूफान आते हैं परन्तु हराना न चाहिए। बाबा समझाते हैंदो चार रोज भी तूफान आ जाता है बाप को याद की नहीं करते हैं। हम विश्व के मालिक बनते हैं वह भूल जाते हैं। मुरली सुनते ही नहीं हैं। मुरली सुनने वालों को भूलना न चाहिए। बहुत बच्चे हैं मुरलीनहीं पढ़ते हैं रेगुलर। रास्ते में मिस करते हैंफिर पढ़ते ही नहीं। मुरलियों में कोई2 समयऐसी पायन्ट दस निकलती है जो कहां संशय आद हो तो वह मिट जाये। तो कब मिस करना चाहिए। सर्विस भी जरूर करनी चाहिए। बेज पड़ा हो। भल कोई पूछे आप कोई संस्था के हो? सोसल वर्कर्स हो। बोलो हां हम रूहानीसोसल वर्कर्स हैं आत्माओं की हम सेवा करते हैं। आत्मा कैसे पावन बन कर पावनदुनिया में जावेयह हम सर्विस करते हैं। तुम लोग को किसको समझाने की खुशी नहीं रहती है। स्टेशन परकितनी चीजें बेचने के लिए ले जाते हैं। तुम भी सौदागर हो ना। और यह बाप को मैसेन्ज देते हो। परन्तु बहुत हैं जो भूल जाते हैं। या लज्जा आती है। बूढ़ियों को भी बाप समझाते हैंएक बाप को याद करो तोस्वर्ग की बादशाही मिलेगी। मौह तोउन में होना चाहिए ना जिससे सुख मिलता है। बाप के हो चूके तो तुम स्वर्ग के मालिक भी हो चूके। परन्तु पावन भी बनना है। जितना याद करेंगे उतना ही पावनबनेंगे, पद भी अच्छा मिलेगा। नहीं तो सजा खानी पड़ेगी। यह गीताका ही पुरुषोत्तम संगम युग है। किसको भी पता नहीं है सिर्फ तुम बच्चों को ही मालूम है। सर्विस करेंगे तो भी याद में रहेंगे। चित्र घर में हो। घर2में गीतापाठशाला। बाहर में लिख दो आकर समझो एक सेकण्ड में बेहद के बाप से विश्व की बादशाही कैसे मिलती है। बड़ी बात सुनेंगे तो कहेंगे जाकर देखें। बोलो हम पैगाम देते हैं। जितना औरों कीसर्विस करेंगे उतना अपना ही कल्याण करेंगे। बड़े2 अक्षरों में लिख दो। दुकान में भी लिख सकते हैं। प्रदर्शनी में सुनते हैं दिल से लगती है प्रजा बन जाती है। कोई भी धंधेवाला, मिठाई वाला होबोलो सब से फस्ट क्लास मिठाई बनुवे यह है। स्वर्ग तो फिर क्या। कम थोड़ेही है। घरों में भी मित्र सम्बन्धी आद बहुत आते हैं। अच्छा गुडनाईट